

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

20.5.15

आज पचावती राजल लोठ कदालन अर्थ मय
पर प्रभुत हुई वसुधावत । पचावती भी पक्ष कारण व
राजोपयोगी मददनि महीन मय । अतः पचावती हु
आदेशानुसार पचावती विनाश... को पक्ष हु ।

20.5.15



20.5.15

नुकूलनाम करीतरी 3 पर, अकार्य सं 9 को
तलनी हेतु तो ही तलना अज ही पक्ष
को । पचावती हु 24.2.15 को पक्ष हु ।

23.7.15

आज पचावती राजल लोठ कदालन अर्थ मय
न्याय अफसे इर 2015 केस हुंडेली में उलुन
हुई । पचावती के अनुलेखन करने पर पाया
कि अकार्य के पक्ष में अकार्य के विकडे
दिनांक 6.2.06 को एक पडीप अंतर्हिम अल्पार्थ
नियमाज्ञा जारी कि गई कि - "वाड अज्ञा अल.
के 330, 335 जाने अज्ञा विदग्गं तर नगा के
कोई सेवा का निर्माण न की" अकार्य ने नयना
अज्ञा करने के वाड अज्ञा के अकार्य के कानून
भी अकार्य अज्ञा को तलने करने में तोर्य करने की
की है । मुनावेक राजल अंतर्हि वि. अ. पक्षकार्य
को लर लरनेकी की प्रकि है, कायन अविशक्ति
अज्ञा पर अज्ञा अज्ञा पर अज्ञा अज्ञा अज्ञा
माना जाता है तथा लर अज्ञा को लरे ल
पावंद नहीं कि अज्ञा लर । अतः अज्ञा
का गुणानुषण पर निरक्षण करने हु दिनांक
06.2.06 को जारी अंतर्हिम अल्पार्थ नियमाज्ञा
स्वीकृत कि जा अज्ञा है पचावती के अज्ञा अज्ञा
अज्ञा अज्ञा अज्ञा के अज्ञा अज्ञा अज्ञा

23.7.15
(हेमराज पांडेकर)
अज्ञा अज्ञा
अज्ञा (भरवपुर) राज.

